

चेष्टा, कोशिश, क्रियाशीलता, सक्रियता, अध्यवसाय, उद्योग 2. वर्णों के उच्चारण में होने वाली गले, मुख आदि की क्रियाएँ।

प्रयत्न त्रुटि विधि स्त्री. (तत्.) प्रयत्न करते हुए, और अंततः अपेक्षित परिणाम न आने पर, काम के दौरान, संभावित त्रुटि या त्रुटियों को शनैः-शनैः दूर करके फल की प्राप्ति; आज्ञानवश हुई गलतियों को दूर करते हुए या सुधारते हुए सीखना।

प्रयाण पुं. (तत्.) 1. प्रस्थान, आगे बढ़ना, यात्रा, सफर, एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, युद्ध के लिए कूच, चढ़ाई अभियान, आक्रमण, हमला 2. मृत्यु, देहावसन 3. घोड़े की पीठ, पशु के पीछे का भाग।

प्रयाणकाल पुं. (तत्.) 1. प्रस्थान करने का समय, जाने का समय, प्रयाण करने का समय 2. मृत्यु काल, मरण का समय।

प्रयाणगीत पुं. (तत्.) युद्ध भूमि की ओर प्रस्थान करते समय या किसी संघर्ष की ओर कूच करते समय या साथ-साथ चलते हुए, मिलकर गाए जाने वाला गीत।

प्रयास पुं. (तत्.) प्रयत्न, कोशिश, चेष्टा, उद्योग, परिश्रम, मेहनत, श्रम।

प्रयुक्त वि. (तत्.) जिसका प्रयोग/इस्तेमाल किया गया हो, व्यवहार में लाया हुआ, नियत 2. किया हुआ, मनोनीत 3. किया हुआ, प्रति निहित 4. उदित, उद्गम, उत्पन्न, फलित 5. किसी काम में लगाया हुआ 6. किसी में मिलाया या जोड़ा गया, संलग्न, युक्त, सम्मिलित किया गया, शामिल।

प्रयुक्ति स्त्री. (तत्.) 1. प्रयोग, इस्तेमाल, उपयोग, अवसर, प्रयोजन, उद्देश्य 2. उत्तेजना, उकसाने की क्रिया, विशेष युक्ति, जुगाड़ 3. कल्पना 4. उपाय, तदबीर, तरकीब, झाँसा, युगत, उकसाने की क्रिया 5. परिणाम, नतीजा, फल भाषा. विशेष संदर्भों में या क्षेत्रविशेष में प्रयुक्त विशेष भाषा-रूप, विषय या कार्य-क्षेत्र में परिभाषित भाषा-रूप के विभिन्न भेद। contrivance register

प्रयोक्ता वि. (तत्.) 1. प्रयोग या व्यवहार करने वाला, उपयोग या काम में लाने वाला, इस्तेमाल करने वाला, प्रयोगकर्ता 2. कार्य का अनुष्ठान/आरंभ करना वाला 3. उत्तेजित करने वाला, भड़काने वाला, प्रेरक, उकसाने वाला 4. तांत्रिक प्रयोग करने वाला, अभिचारी 5. ब्याज पर रुपया देने वाला, साहूकार। user

प्रयोक्ता अनुकूल पुं. (देश.) प्रयोग करने वाले की अपेक्षाओं के अनुकूल परिवर्तन, परिवर्धन आदि के पश्चात् प्रस्तुत वस्तु।

प्रयोग पुं. (तत्.) 1. काम में लाना, बरतना, व्यवहार, अनुष्ठान, इस्तेमाल, किसी वस्तु को कार्य में या उपयोग में लाए जाने की क्रिया या भाव, बल, अधिकार आदि का व्यवहार या उपयोग 2. अनुपालन, तामील 3. आज्ञा आदि के अनुसार काम करना, पद्धति, विधि 4. प्रथा, रीति रस्म, परंपरा 5. आत्म-साधन 6. नाटक खेलना, अभिनय, एक विधा की प्रस्तुति को दूसरी विधा या रूप में प्रस्तुत करने का प्रयत्न 7. ऋण देना, महाजनी 8. विज्ञान आदि में कोई बात जानने या समझने के लिए किसी मान्यता का या सिद्धांत का नियंत्रित या ज्ञात दशाओं अथवा परिस्थितियों में किए गए क्रमिक परिणाम, निरीक्षण या साधन आदि 9. तांत्रिक मारण, मोहन आदि प्रयोग।

प्रयोगतः क्रि.वि. (तत्.) प्रयोग द्वारा, परिणाम के रूप में, प्रयोग के अनुसार, व्यवहारतः।

प्रयोग निपुण वि. (तत्.) किसी वस्तु या प्रक्रिया आदि के व्यवहार एवं अभ्यास का जिसे पर्याप्त अनुभव हो चुका हो।

प्रयोगनाटक पुं. (तत्.) किसी सामाजिक कुरीति, कुप्रथा के प्रति लोगों को जागृत करने के लिए, अथवा प्रशासन, स्वैच्छिक संस्थाओं आदि द्वारा जीवन के किसी पक्ष को बेहतर बनाने के लिए अभिनय, स्वांग आदि द्वारा सूचना देने या लोगों में चेतना लाने के लिए प्रस्तुत नाटक।